सीएसए में चल रहे दो दिवसीय किसान मेले का हुआ समापन, बारह हजार से भी अधिक किसान व आम लोगों ने मेले में किया प्रतिभाग

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(संजय मौर्य)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में दो दिवसीय (दिनांक 24 से 25 अक्टूबर 2024) किसान मेले का आज समापन हुआ। समापन अवसर पर नाबार्ड उत्तर प्रदेश के मुख्य महा प्रबंधक श्री पंकज कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड श्री पंकज कुमार जी ने कहा कि इस मेले में आकर लगा कि हमारे किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बेहतर कार्य कर रहे हैं। किसान आपस में मिलकर अब फार्मर कंपनियां भी बना रहे है। उन्होंने कहा कि मेले में हमें बेहतर प्रमाण और परिणाम मिला है, इस मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन भी दिखाया गया है। जिसे किसान देखकर काफी प्रभावित हुए हैं मेले के माध्यम से हमें किसानों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा की इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसान भाइयों में जागरूकता होती है।जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार, डॉ पीके राठी, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉ बी के कनौजिया सहित सभी अधिकारी /वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

सीएसए में चल रहे दो दिवसीय किसान मेले का हुआ समापन

बारह हजार से भी अधिक किसान व आम लोगों ने मेले में किया प्रतिभाग

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में दो दिवसीय (दिनांक 24 से 25 अक्टूबर 2024) किसान मेले का आज समापन हुआ। समापन अवसर पर नाबार्ड उत्तर प्रदेश के मुख्य महा प्रबंधक श्री पंकज कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड श्री पंकज कुमार जी ने कहा कि इस मेले में आकर लगा कि हमारे किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बेहतर कार्य कर रहे हैं। किसान आपस में मिलकर अब फार्मर कंपनियां भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेले में हमें बेहतर प्रमाण और परिणाम मिला है, इस मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन भी दिखाया गया है। जिसे किसान देखकर काफी प्रभावित हुए हैं मेले के माध्यम से हमें किसानों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा की इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसान भाइयों में जागरूकता होती है। जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सीएल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार, डॉ0 पीके राठी, डॉक्टर पीके उपाध्याय, डॉ0 वीके कनौजिया सहित सभी अधिकारी ध्वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

अमर उजाला 26/10/2024

तकनीक का लेकर ज्ञान लौटे किसान

सीएसए में आयोजित किसान मेले का हुआ समापन, दो दिन में बिके 45 लाख रुपये के बीज

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में चल रहे दो दिवसीय किसान मेले का शुक्रवार को समापन हो गया। यहां किसानों ने तकनीकी ज्ञान पाने के साथ जीनोम एडिटिंग और स्पीड ब्रीडिंग के बारे में जाना। मेले में किसानों ने दो दिन में 45 लाख रुपये के बीज खरीदे। पहले दिन जहां 30 लाख के बीज बिके तो दूसरे दिन 15 लाख रुपये की बिक्री हुई। मेले की शुरुआत से पहले भी 30 लाख रुपये के बीज बिके थे। समापन कार्यक्रम में विभिन्न स्टॉलों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

किसान मेले के दूसरे दिन समारोह का शुभारंभ नाबार्ड के सीजीएम पंकज कुमार और विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। नाबार्ड सीजीएम पंकज कुमार ने कहा कि किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बेहतर काम कर रहे हैं। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से किसानों को काफी लाभ मिलता है।

फसल सुधार स्टॉल में डॉ. विवेकानंद ने किसानों को नई तकनीक के साथ पौधे के जीन में बदलाव करके उसमें सुधार लाने की जीनोम एडिटिंग प्रणाली के बारे में बताया। इसके अलावा स्पीड ब्रीडिंग, हेपलोटाइप मैपिंग के बारे में जानकारी दी। किसानों ने ड्रोन से फसलों को मिलने वाले लाभ के बारे में भी जाना। इस मौके पर डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. विजय कुमार यादव, डॉ. पीके राठी, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. वीके कनौजिया आदि मौजूद रहे।

सीएसए मैदान स्थित किसान मेले में मुख्य अतिथि चीफ जनरल मैनेजर नाबार्ड पंकज कुमार, कुलपति आनंद कुमार सिंह व अन्य। संवाद

मशीन से कटने वाली चने की कुंदन प्रजाति की मांग रही अधिक

किसान मेले में आईआईपीआर ने भी अपना स्टॉल लगाया था, इसमें चने की कुंदन प्रजाति ने किसानों को आकर्षित किया। डॉ. सतीश ने बताया कि चने की फसल को खेतों से निकालने के लिए श्रमिकों को लगाया जाता है। लेकिन अब श्रमिक मिलना मुश्किल हो गया है। वहीं, अगर मशीन का इस्तेमाल करेंगे तो काफी चना बर्बाद हो जाएगा। चने की इस कुंदन प्रजाति में फलियां पौधे से एक फीट ऊपर आती हैं। इससे मशीन से कटाई में फसल बर्बाद नहीं होती है।

फसल सुधार के बारे में जानकारी देते डॉ. विवेकानंद। संवाद

इन स्टालों को मिला पुरस्कार

प्रथम पुरस्कार फसल सुधार, विवि बीज एवं प्रक्षेत्र, फल विज्ञान विभाग, वानिकी एवं भूमि संरक्षण, एफएसएन, केवीके फिरोजाबाद, मत्स्य कॉलेज इटावा, आईआईपीआर, सूद सीड्स कंपनी, कृभको फर्टिलाइजर, वीके पैकवेल के स्टालों को मिला। द्वितीय पुरस्कार छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कृषि अभियंत्रण कॉलेज इटावा, केवीके रायबरेली, एचयूडी, शाक-भाजी विज्ञान विभाग, बीज प्रौद्योगिकी विभाग, न्यू सीड्स, इफको, जैन इरिगेशन सिस्टम को मिला।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

स्वतंत्र चेतना

कानपुर, वर्ष 18 अंक 317
शनिवार 26 अक्टूबर,2024
पृष्ठ 12 महानगर संस्करण
MISC-II/CPM/004/KPHO/2022-24
₹ 3.00

www.swatantrachetnanews.com

गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी ,आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

उद्यान विज्ञान के मॉडल में किसानों को बताए गये बगीचे लगाने के तरीके

चेतना कार्यालय

बकेवर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में उद्यान विज्ञान विभाग में बागवान भाइयों एवं किसानों को बगीचे लगाने के विभिन्न लाभदायक तरीकों के बारे में धरातल पर एक मॉडल बनाकर बहुत ही सुगम विधि से जानकारी दी गयीं। उद्यान विज्ञान एवं फल विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जो किसान समुचित जगह का उपयोग करते हुए पूरक विधि से रोपण करते हैं वहां पर सामान्य की तुलना में लगभग दोगुने पौधों को रोपित किया

जा सकता है। मॉडल में दिखाया गया कि जब रोपण के प्रारंभिक वर्षों में जब बागवान को कोई आय नहीं होती तो उस समय वह सब्जियों में टमाटर, बैंगन, मिर्च, फूलों में गेंदा, गैलार्डिया (नवरंग) तथा फलों में पपीता, स्ट्रॉबेरी, रसभरी आदि का रोपण कर प्रारंभिक वर्षों में आय प्राप्त कर सकते हैं। जिन क्षेत्रों में खरपतवार अधिक होते हैं या पानी की कमी होती है उन क्षेत्रों में बगीचों में पौधों के बीच में पलवार (मल्च) को बिछाकर ईन दोनों समस्याओं से निदान पा सकते हैं। बागवान भाई आम की आम्रपाली प्रजाति, अमरूद, केला आदि फल फसलों में सघन बागवानी करके भी प्रति हेक्टेयर अधिक पौधों की संख्या रोपित कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विभाग के स्टाल पर धरातल पर प्रदर्शित यह मॉडल प्रो. वी. के. त्रिपाठी ने अपने शिक्षक सहयोगियों डॉ शिवानंद पांडेय, डॉ अमित कुमार, डॉ मनुज अवस्थी, डॉ सोमेंद्र वर्मा के साथ परास्नातक एवं शोध छात्रों मोहित, सौरभ, सत्यार्थ , रिद्धिमा, शालिनी, प्रतीक्षा, एकता, आदि के द्वारा ही विभाग में अपनी देखरेख में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण कर तैयार करवाया है।

दैनिक समाचार पत्र
चेतना विचारधारा
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड से प्रकाशित
1 अंक 181
टूबर 2024
र संस्करण
00
etnavichardhara.com
गोरखपुर,लखनऊ,प्रयागराज,कानपुर,वाराणसी व हरिद्वार से प्रकाशित

उद्यान विज्ञान के मॉडल में किसानों को बताए गये बगीचे लगाने के तरीके

विचारधारा ब्यूरो कार्यालय

बकेवर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में उद्यान विज्ञान विभाग में बागवान भाइयों एवं किसानों को बगीचे लगाने के विभिन्न लाभदायक तरीकों के बारे में धरातल पर एक मॉडल बनाकर बहुत ही सुगम विधि से जानकारी दी गयीं। उद्यान विज्ञान एवं फल विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जो किसान समुचित जगह का उपयोग करते हुए पूरक विधि से रोपण करते हैं वहां पर सामान्य की तुलना में लगभग दोगुने पौधों को रोपित किया जा सकता है। मॉडल में दिखाया गया कि जब रोपण के प्रारंभिक वर्षों में जब बागवान को कोई आय नहीं होती तो उस समय वह सब्जियों में टमाटर, बैंगन, मिर्च, फूलों में गेंदा, गैलार्डिया (नवरंग) तथा फलों में पपीता, स्ट्रॉबेरी, रसभरी आदि का रोपण कर प्रारंभिक वर्षों में आय प्राप्त कर सकते हैं। जिन क्षेत्रों में खरपतवार अधिक होते हैं या पानी की कमी होती है उन क्षेत्रों में बगीचों में पौधों के बीच में पलवार (मल्च) को बिछाकर ईन दोनों समस्याओं से निदान पा सकते हैं। बागवान भाई आम की आम्रपाली प्रजाति, अमरूद, केला आदि फल फसलों में सघन बागवानी करके भी प्रति हेक्टेयर अधिक पौधों की संख्या रोपित कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विभाग के स्टाल पर धरातल पर प्रदर्शित यह मॉडल प्रो. वी. के. त्रिपाठी ने अपने शिक्षक सहयोगियों डॉ शिवानंद पांडेय, डॉ अमित कुमार, डॉ मनुज अवस्थी, डॉ सोमेंद्र वर्मा के साथ परास्नातक एवं शोध छात्रों मोहित, सौरभ, सत्यार्थ , रिद्धिमा, शालिनी, प्रतीक्षा, एकता, आदि के द्वारा ही विभाग में अपनी देखरेख में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण कर तैयार करवाया है।

दीनार टाइम्स

कानपुर न्यूज

उद्यान विज्ञान के मॉडल में बताए बगीचे लगाने के तरीके

डी टी एन एन। कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में उद्यान विज्ञान विभाग में बागवान भाइयों एवं किसानों को बगीचे लगाने के विभिन्न लाभदायक तरीकों के बारे में धरातल पर एक मॉडल बनाकर बहुत ही सुगम विधि से समझाया गया है। उद्यान विज्ञान एवं फल विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जो किसान समुचित जगह का उपयोग करते हुए पूरक विधि से रोपण करते हैं वहां पर सामान्य की तुलना में लगभग दोगुने पौधों को रोपित किया जा सकता है। मॉडल में दिखाया गया कि जब रोपण के प्रारंभिक वर्षों में जब बागवान को कोई आय नहीं होती तो उस समय वह सब्जियों में टमाटर, बैंगन, मिर्च, फूलों में गेंदा, गैलार्डिया (नवरंग) तथा फलों में पपीता, स्ट्रॉबेरी, रसभरी आदि का रोपण कर प्रारंभिक वर्षों में आय प्राप्त कर सकते हैं। जिन क्षेत्रों में खरपतवार अधिक होते हैं उन क्षेत्रों में बगीचों में पौधों के बीच में पलवार को बिछाकर ईन दोनों समस्याओं से निदान पा

सकते हैं। बागवान भाई आम की आम्रपाली प्रजाति, अमरूद, केला आदि फल फसलों में सघन बागवानी करके भी प्रति हेक्टेयर अधिक पौधों की संख्या रोपित कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विभाग के स्टाल पर धरातल पर प्रदर्शित यह मॉडल प्रो. वी. के. त्रिपाठी ने अपने शिक्षक सहयोगियों डॉ शिवानंद पांडेय, डॉ अमित कुमार, डॉ मनुज अवस्थी, डॉ सोमेंद्र वर्मा के साथ परास्नातक एवं शोध छात्रों मोहित, सौरभ, सत्यार्थ , रिद्धिमा, शालिनी, प्रतीक्षा, एकता, आदि के द्वारा ही विभाग में विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे जाते हैं।

DT दीनार टाइम्स

कानपुर, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024

टेरेस गार्डन में सब्जी भी उगा सकते हैं

डी टी एन एन। कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के पहले दिन उद्यान विभाग में लगा 卐वर्टिकल उद्यान卐 शहर वासियों एवं कृषको का प्रमुख आकर्षण केंद्र रहा। विभागाध्यक्ष उद्यान एवं फल विज्ञान प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शहरी क्षेत्र में जहां पर जगह कम हो रही है, प्रदूषण बढ़ रहा है, रासायनिक उत्पादित सब्जियां बाजार से लानी पड़ती है, उन सबसे निजात के लिए 卐वर्टिकल उद्यान卐 एक उपयुक्त विद्या है जिसमें आप घरों की सुंदरता बढ़ाने के लिए अपने बालकनी पर या जमीन पर उपलब्ध मिट्टी के स्थान पर या बड़ी-बड़ी नादों में घरों की सुंदरता बढ़ाने के लिए लताएं जिसमें रंगूनक्रीपर, राखी बेल, टीकोमा, मनी प्लांट, मॉन्स्टरा, क्लाइमेस्टिक, बरौलिया इत्यादि लताओं का रोपन कर सकते हैं। यदि आप बिना रसायन के सब्जियां उत्पादित करना चाहते हैं तो उपयुक्त आकर के पोट का प्रयोग करके

टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, तथा लता वाली सब्जियां उत्पादन कर सकते हैं। इसी प्रकार आप अपने ही घर पर रसायन रहित ताजे फल प्राप्त करने के लिए रसभरी, स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फल, अंगूर, आम्रपाली आम और पपीता के पौधों को घर की बालकनी या छत पर लगाकर स्वस्थ फल प्राप्त करने के साथ अपने घर के वातावरण को सुंदर एवं स्वस्थ रखने के साथ ताजे फल और सब्जियां प्राप्त कर सकते हैं। उद्यान विभाग के स्टॉल पर ही प्रदर्शित एक अन्य मॉडल जिसमें घर के निकले विभिन्न अपशिष्ट पदार्थों को सही तरीके से सदुपयोग करके घर की किचन में प्रयोग हेतु बायोगैस, गृह वाटिका में प्रयोग हेतु कंपोस्ट खाद और उससे निकले जल को अलग अलग एकत्रित करके घर की ग्रहवाटिका में उगाई जा रही विभिन्न सब्जियों, फलों, औषधियों एवं सुगंधित पौधों में प्रयोग करके वातावरण को प्रदूषित होने के बारे में विस्तार से बताया गया है।

स्टाल पर पर प्रदर्शित मॉडल प्रोफेसर वी के त्रिपाठी ने अपने सहयोगियों डॉ शिवानंद पांडेय, डॉ अमित कुमार, डॉ मनुज अवस्थी, डॉ सोमेंद्र वर्मा ने पर स्नातक छात्रों एवं शोध छात्रों सौरभ तिवारी रिद्धिमा त्रिपाठी, सत्यार्थ सोनकर, प्रतीक्षा शालिनी एकता आदि के द्वारा ही विभाग में अपनी देखरेख में ही तैयार करवाये हैं।

सीएसए विवि में आयोजित मेले में विभिन्न स्टॉलों का हुआ सम्मान

किसान मेले में दो दिन में बिके 45 लाख के बीज

समापन

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में चल रहे दो दिवसीय किसान मेला का शुक्रवार को समापन हुआ। मेले में प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा मध्य प्रदेश और बिहार से आए किसानों ने दो दिन में 45 लाख रुपये के बीज की खरीदारी की है। मेले के पहले दिन 30 लाख रुपये और दूसरे दिन 15 लाख रुपये की बीज बिक्री हुई है। मेले के समापन अवसर पर विभिन्न स्टॉलों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विवि में अब तक 75 लाख रुपये की बीज बिक्री हो चुकी है।

मेले के समापन समारोह का शुभारंभ नाबार्ड के सीजीएम पंकज कुमार और विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। नाबार्ड सीजीएम ने कुलपति के साथ मेले का निरीक्षण किया और विभिन्न उत्पादों को देखा। पंकज कुमार ने कहा कि किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बेहतर काम कर रहे हैं। किसान आपस में मिलकर अब फार्मर कंपनियां भी बना रहे हैं। मेले में हर तरह की नई तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से किसानों को काफी लाभ मिलता है। इस मौके पर डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. विजय कुमार यादव, डॉ. पीके राठी, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. वीके कनौजिया आदि मौजूद रहे।

मेले में लगे स्टॉल पर अपने उत्पाद दिखातीं महिलाएं।

इनको मिला पुरस्कार

प्रथम - फसल सुधार, विवि बीज एवं प्रक्षेत्र, फल विज्ञान विभाग, वानिकी एवं भूमि संरक्षण, एफएसएन, केवीके फिरोजाबाद, मत्स्य कॉलेज इटावा, आईआईपीआर, सूद सीड्स कंपनी, क्रिबको फर्टिलाइजर, वीके पैकवेल।
द्वितीय - छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कृषि अभियंत्रण कॉलेज इटावा, केवीके रायबरेली, एचयूडी, शाक-भाजी विज्ञान विभाग, बीज प्रौद्योगिकी विभाग, न्यू सीड्स, इफको, जैन इरिगेशन सिस्टम।

हिन्दुस्तान भरोसा नए हिन्दुस्तान का

यूपी मैसेंजर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

upmessengerlucknow@gmail.com

26/10/2024

समापन पर नाबार्ड महाप्रबंधक ने कहा. मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन

बारह हजार से भी अधिक किसान व आम लोगों ने मेले में किया प्रतिभाग

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में दो दिवसीय (दिनांक 24 से 25 अक्टूबर 2024) किसान मेले का आज समापन हुआ। समापन अवसर पर नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया, वहां लगे उत्पादों को देखा। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड पंकज कुमार ने कहा कि इस मेले में आकर लगा कि हमारे किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बेहतर कार्य कर रहे हैं। किसान आपस में मिलकर अब फार्मर कंपनियां भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेले में हमें बेहतर प्रमाण और परिणाम मिला है, इस मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन भी दिखाया गया है। जिसे किसान देखकर काफी प्रभावित हुए हैं मेले के माध्यम से हमें किसानों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा की इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसान भाइयों में जागरूकता होती है ।जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-298 शनिवार, 26 अक्टूबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

सीएसए में चल रहे दो दिवसीय किसान मेले का हुआ समापन, बारह हजार से भी अधिक किसान व आम लोगों ने मेले में किया प्रतिभाग

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में दो दिवसीय (दिनांक 24 से 25 अक्टूबर 2024) किसान मेले का आज समापन हुआ। समापन अवसर पर नाबार्ड उत्तर प्रदेश के मुख्य महा प्रबंधक श्री पंकज कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड श्री पंकज कुमार जी ने कहा कि इस मेले में आकर लगा कि हमारे किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बेहतर कार्य कर रहे हैं। किसान आपस में मिलकर अब फार्मर कंपनियां भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेले में हमें बेहतर प्रमाण और परिणाम मिला है, इस मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन भी दिखाया गया है। जिसे किसान देखकर काफी प्रभावित हुए हैं मेले के माध्यम से हमें किसानों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा की इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसान भाइयों में जागरूकता होती है।जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार, डॉ पीके राठी, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉ वी के कनौजिया सहित सभी अधिकारी /वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

किसान मेले में कई स्टाल लगाए गए। अमृत विचार

किसान मेले में 45 लाख रुपये के बीज बिक गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में लगे किसान मेले के दूसरे दिन शुक्रवार को ड्रोन प्रदर्शन हुआ। इसमें किसानों को रसायन का छिड़काव व फसल की निगरानी करने का तरीका बताया गया। मेले के दौरान दो दिन में लगभग 45 लाख रुपये के बीज की बिक्री हुई।

दो दिवसीय किसान मेले में नाबार्ड उत्तर प्रदेश के मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। उन्होंने कहा कि किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बेहतर कार्य कर रहे हैं। किसान आपस में मिलकर अब फार्मर कंपनियां भी बना रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसानों में जागरूकता आती है। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डॉ सीएल मौर्य, डॉ विजय कुमार, डॉ पीके राठी, डॉ पीके उपाध्याय, डॉ वीके कनौजिया रहे।

सार-संक्षेप

आज
26/10/2024
महानगर

किसान मेले का समापन, वैज्ञानिक खेती पर जोर

❑ स्टालों को पुरस्कार दिया गया, 40 लाख से अधिक बीजों की बिक्री हुई

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 25 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में दो दिवसीय किसान मेले के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि नाबार्ड उत्तर प्रदेश के मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार ने ने किसान मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां स्टालों पर लगे उत्पादों को देखा। वहीं आज किसान मेले में गेहूं, मसूर, चना, सरसों के बीच खरीदने वालों किसानों की काफी भीड़ रही और करीब ४० लाख से अधिक बीजों की बिक्री हुई है। इसके साथ ही मुख्य अतिथि ने स्टाल संचालकों को भी पुरस्कार दिया। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड पंकज कुमार ने कहाकि वैज्ञानिक खेती पर जाकर किसानों को बेहतर तकनीक बताए। जिससे फसलों की पैदावार भी बढ़ सके। अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बेहतर कार्य कर रहे हैं। उन्होने कहाकि अब किसान फार्मर कंपनियां भी बना रहे हैं। इस मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन भी दिखाया गया है। जिसे किसान देखकर काफी प्रभावित हुए हैं मेले के माध्यम से हमें किसानों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है। सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने कहाकि इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसान भाइयों में जागरूकता होती है। जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर डॉ. सी एल मौर्य, डॉ. विजय कुमार, डॉ पीके राठी, डॉ. पी के उपाध्याय, डॉ वी के कनौजिया आदि मौजूद रहे।

स्टाल का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि नाबार्ड उत्तर प्रदेश के मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार साथ में कुलपति।

सीएसजेएमयू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पाया द्वितीय स्थान

कानपुर, 25 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने स्टॉल लगाकर अपनी शोध शिक्षा तथा प्रसार की गतिविधियों तथा उपलब्धियां का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में एग्रीकल्चर स्कूल के स्नातक तथा परा स्नातक के छात्रों कृषि के विविध आयामों को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया । फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों के द्वारा एक रेडी टू सर्व ड्रिंक, !उद्यान विज्ञान के छात्रों के द्वारा हाईटेक हॉर्टिकल्चर, एग्रोनॉमी के छात्रों के द्वारा कूल चैंबर तथा बीएससी एजी के छात्रों के द्वारा भारत के फॉरेस्ट कवर का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि ने स्कूल ऑफ़ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में स्टॉल का भ्रमण किया। इस मेले में स्कूल ऑफ एडवांस एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 116 कानपुर, शनिवार 26 अक्टूबर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

समापन पर नाबार्ड महाप्रबंधक ने कहा- मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में दो दिवसीय (दिनांक 24 से 25 अक्टूबर 2024) किसान मेले का आज समापन हुआ। समापन अवसर पर नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय

में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया, वहां लगे उत्पादों को देखा। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड पंकज कुमार ने कहा कि इस मेले में आकर लगा कि हमारे किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बेहतर कार्य कर रहे हैं। किसान आपस में मिलकर अब फार्मर कंपनियां भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेले में हमें बेहतर प्रमाण और परिणाम मिला है, इस मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन भी दिखाया गया है। जिसे किसान देखकर काफी प्रभावित हुए हैं मेले के माध्यम से हमें किसानों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा की इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसान भाइयों में जागरूकता होती है।जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार, डॉ पीके राठी, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉ वी के कनौजिया सहित सभी अधिकारी /वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

अंक-234 कानपुर, शनिवार 26 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

सीएसए में चल रहे दो दिवसीय किसान मेले का हुआ समापन

बारह हजार से भी अधिक किसान व आम लोगों ने मेले में किया प्रतिभाग

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में दो दिवसीय (दिनांक 24 से 25 अक्टूबर 2024) किसान मेले का समापन हुआ समापन अवसर पर नाबार्ड उत्तर प्रदेश के मुख्य महा प्रबंधक पंकज कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड पंकज कुमार ने कहा कि इस मेले में आकर लगा कि हमारे किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बेहतर कार्य कर रहे हैं किसान आपस में मिलकर अब फार्मर कंपनियां भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेले में हमें बेहतर प्रमाण और परिणाम मिला है, इस मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन भी दिखाया गया है। जिसे किसान देखकर काफी प्रभावित हुए हैं मेले के माध्यम से हमें किसानों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा की इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसान भाइयों में जागरूकता होती है।जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी होगी।

निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार, डॉ पीके राठी, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉ वी के कनौजिया सहित सभी अधिकारी /वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

सीएसए में दो दिवसीय किसान मेले का समापन, दो दिन में बिके 45 लाख के बीज

12 हजार से भी अधिक किसान व आम लोगों ने मेले में किया प्रतिभाग

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में दो दिवसीय (दिनांक 24 से 25 अक्टूबर 2024) किसान मेले का आज समापन हुआ। समापन अवसर पर नाबार्ड उत्तर प्रदेश के मुख्य महा प्रबंधक श्री पंकज कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण किया और वहां लगे उत्पादों को देखा। मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड श्री पंकज कुमार जी ने कहा कि इस मेले में आकर लगा कि हमारे किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर बेहतर कार्य कर रहे हैं। किसान आपस में मिलकर अब फार्मर कंपनियां भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेले में हमें बेहतर प्रमाण और परिणाम मिला है, इस मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन भी दिखाया गया है। जिसे किसान देखकर काफी प्रभावित हुए हैं मेले के माध्यम से हमें किसानों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा की इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसान भाइयों में जागरूकता होती है।जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर विजय कुमार, डॉ पीके राठी, डॉक्टर पी के उपाध्याय, डॉ वी के कनौजिया सहित सभी अधिकारी /वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

दैनिक
किदवई नगर समाचार
ख़बर हमारी, फैसला आपका

RNI. NO. - UPHIN/2019/78585

www.facebook.com/kidwainagarsamachar 9506397847 @kidwainagarsamachar

वर्ष : 05 अंक : 319 कानपुर, शनिवार 26 अक्टूबर 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य :

रोग प्रतिरोधक क्षमता व खून बढ़ाएगा जमुनिया आलू, आईसीएआर–सीपीआरआई ने किया है विकसित, ये है खासियत

किदवई नगर समाचार
संवाददाता

कानपुर। सेहतमंद रहने के लिए चिकित्सक आलू से दूरी बनाने के लिए कहते हैं, लेकिन अब ऐसा आलू तैयार किया गया है, जिसे खाना फायदेमंद होगा। कुफरी की प्रजाति जमुनिया आलू न केवल शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर करेगा, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता और खून बढ़ाएगा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) में इस आलू के बीज पर रिसर्च किया जा रहा है। तीन सालों के भीतर इसके बीज सीएसए से मिलने लगेंगे।

एक हेक्टेयर में 320–350 क्विंटल तक पैदावार

सीएसए में आयोजित किसान मेले में मौजूद यह आलू लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। किसी ने इसे चुकंदर तो

किसी ने इसे खराब आलू की श्रेणी में डाला, लेकिन जब विशेषज्ञ डॉ. अजय कुमार यादव ने उपलब्धियां बताई तो सभी हैरान रह गए। डॉ. यादव ने बताया कि आलू में जेंट्रोफिन, जिंक, कैरोटीन, एंथोसायनिन पाया जाता है। जो रक्त बढ़ाने का काम करता है।

अरारोट की मात्रा बहुत कम होती है

बैंगनी गूदे वाली आलू की इस किस्म को आईसीएआर–केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला ने विकसित किया है। यह पहली बार मेले में आई। मात्र 90 दिनों में तैयार होने वाली इस आलू की उपज क्षमता 320–350 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इसे लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। सामान्य आलू के मुकाबले इसमें अरारोट की मात्रा बहुत कम होती है। उन्होंने बताया कि इसके बीज सीएसए में भी तैयार किए जा रहे हैं।

वर्ष : 16 अंक : 290 लखनऊ शनिवार, 26 अक्टूबर 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

मौसम

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

नगर संस्करण

किसान मेले में हजारों किसानों ने लाभ उठाया

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में लगा दो दिवसीय किसान मेला आज समाप्त हो गया । नाबार्ड उत्तर प्रदेश के मुख्य महा प्रबंधक पंकज कुमार मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। पंकज कुमार ने विश्वविद्यालय में लगे मेले के स्टालों का निरीक्षण करके वहां लगे उत्पादों को देखा। उन्होंने कहा कि इस मेले में आकर लगा कि हमारे किसान अब वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर कार्य कर रहे हैं। किसान आपस में मिलकर अब कृषि कंपनियां भी बना रहे हैं। मेले में हमें बेहतर प्रमाण और परिणाम मिला है।

सीएसए में चले इस मेले में हर तरह की नई तकनीको का सजीव प्रदर्शन भी दिखाया गया । किसान इस मेले को देखकर काफी प्रभावित हुए हैं। इस मेले के माध्यम से हमें किसानों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने समापन समारोह में आए सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा की इस प्रकार के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी से निश्चित तौर पर किसान भाइयों में जागरूकता विकसित होती है। जिससे किसानो की आय में बढ़ोतरी होगी। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने बताया कि मेला प्रांगण में लगे विभिन्न स्टालों को पुरस्कृत किया गया। डॉ. सी एल मौर्य, डॉ. विजय कुमार, डॉ. पी के राठी, डॉ. पी के उपाध्याय, डॉ. वी के कनौजिया सहित वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

» इस तरह के आयोजनों से किसानों में जागरूकता विकसित होगी